IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, November 2025
Impact Factor: 7.67

श्योपुर जिले में समावेशी शिक्षा योजनाओं का क्रियान्वयन एवं चुनौतियाँ

शबीना शेख़[1] and डॉ. भूपेंद्र सिंह चौहान[2]

[1]शोधार्थी, शिक्षा शास्त्र - विभाग

[2]शोध निर्देशक, शिक्षा शास्त्र - विभाग

विक्रांत विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

सारांश

समावेशी शिक्षा का उद्देश्य प्रत्येक बालक को उसकी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं बौद्धिक विविधताओं के बावजूद समान शिक्षा का अवसर प्रदान करना है। भारत सरकार द्वारा समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ जैसे समग्र शिक्षा अभियान, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए समावेशी शिक्षा (IEDSS), तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई हैं। प्रस्तुत अध्ययन में श्योपुर जिले में इन योजनाओं के क्रियान्वयन तथा उनसे संबंधित चुनौतियों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में संसाधनों की कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव तथा सामाजिक जागरूकता की कमी प्रमुख बाधाएँ हैं।

मुख्य संकेतक: - समग्र शिक्षा अभियान, दिव्यांग विद्यार्थी, शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षिक समानता।